मनसा शिक्षा महाविद्यालय, कुरूद, भिलाई

उपचारात्मक शिक्षण

प्रयोजन –

उपचारात्मक शिक्षण छात्रों को अकादमिक रूप से सफल होने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं। जो छात्र किसी विशेष विषय या कौशल से सूझ रहे हैं वे निराश और अभिभूत महसूस कर रहे हैं, जिससे उनकी प्रेरणा में कमी हो जाती है और छात्र के भी प्रदर्शन में भी कमी आ जाती है। इस प्रयोजन से उपचारात्मक कक्षाएं महाविद्यालयों में संचालित की जाती है।

उद्देश्य –

- उन छात्रों को उपचारात्मक शिक्षण प्रदान करना, जो किसी न किसी कारण से विषय में शेष कक्षा से पीछे रह गये हैं।
- छात्रों को उनकी सीखने की कठिनाईयों को दूर करने और उनकी शैक्षिक मनोविज्ञान आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाना।
- शिक्षार्थियों की स्मृति शक्ति, प्रेरणा स्तर, काम में कम समय तक ध्यान देना और संबंधित व्यवहार समस्याओं को विकसित करने के लिए।
- शिक्षार्थियों को असफलता के कारण अवसादग्रस्त मनोवृत्ति से उबरने के लिए प्रेरित करना और विशिष्ट व्यक्तित्व हासिल करने में मदद करना।
- शिक्षार्थियों को सकारात्मक दृष्टिकोण और मूल्यों को विकसित करने में मदद करती है, आजीवन सीखने की नींव स्थापित करती है और उन्हें आगे की शिक्षा और कार्यबल के लिए तैयार करती है।

दिशा निर्देश –

- उपचारात्मक शिक्षण के अंतर्गत की गई गतिविधियों (आकलन, अभ्यासकार्य, विद्यार्थी उपलब्धि स्तर आदि) का समस्त रिकार्ड संधारण करना।
- विद्यार्थियों द्वारा कार्य पुस्तिकाओं में किए गए अभ्यास कार्य की नियमित जाँच करना। उपचारात्मक शिक्षण अंतर्गत किए जा रहे कार्य का पाक्षिक आकलन करना।
- सहायक सामग्री एकत्र करना और तैयार करनां ।
- पाठ्यक्रम को अपनाना।
- उपयुक्त शिक्षण रणनीतियों का चयन करना।

प्रक्रिया –

- जो विद्यार्थी नियमित कक्षाओं में विषय को समझने में असफल होते हैं।
- धीमी गति से सीखने वाले छात्रों की पहचान (ईकाई परीक्षण अंक, असाइनमेंट की जाँच, कक्षा में मौखिक प्रश्न पूछकर) के आधार पर की गयी।
- शिक्षक नियमित कक्षाओं में धीमी गति से सीखने वाले विद्यार्थियों के आवेदन के आधार पर प्राचार्य की अनुमति से नियमित कक्षा में 80% पाठ्यक्रम को कवर करने के बाद उपचारात्मक कक्षाओं के लिए नियमित समय सारणी में उपचारात्मक कक्षाओं को घोषित किया जाता है। आमतौर पर 10 उपचारात्मक कक्षाएँ सौंपी जाती है , लेकिन शिक्षक आवश्यकतानुसार कक्षाओं का विस्तार करता है।

परिणाम –

- उपचारात्मक शिक्षा शैक्षिक प्रदर्शन को बढ़ाने में मदद करती है।
- छात्रों की समझ, ज्ञान और कौशल विकसित करने में सहायता करती है।
- विद्यार्थियों की समग्र शैक्षणिक प्रदर्शन में वृद्धि होती है।

प्रभारी
डॉ. संगीता श्रीवास्तव

Principal
Mansa College of Education
Kurud, Bhilai (C.G.)

प्राचार्य
मनसा शिक्षा महाविद्यालय